मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–101

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी. एस. के. सी.-101 : लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

1. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : $4 \times 10 = 40$

(क) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहोदुडेपेनास्मि सागरम्॥

अथवा

तस्य संवृतमन्त्रस्य गूढाकारेङ्गितस्य च।
फलानुमेयाः प्रारम्भाः संस्कारा प्राक्तना इव॥

(ख) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नमनोरथा सती।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता॥

अथवा

यदा फलं पूर्वतपः समाधिना न तावता लभ्यममंस्त

काङ्क्षितम्।

तदाऽनपेक्ष्य स्वशरीरमार्दवं तपो महत्सा चरितुं प्रचक्रमे॥

(ग) क्रियासु युक्तैर्नृप! चारचक्षुषो न वञ्चनीयाः

प्रभवोऽनुजीविभिः।

अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा, हितं मनोहारि च दुर्लभं

वचः॥

अथवा

अनारतं तेन पदेषु लम्भिता विभज्य

सम्यग्विनियोगसत्क्रियाः।

फलन्त्युपायाः परिवृंहितायतीरूपेत्य संघर्षमिवार्थ-

सम्पदः॥

(घ) स्वायत्तमेकातगुणं विधात्रा,

विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।

विशेषतः सर्वविदां समाजे,

विभूषणं मौनमपण्डितानम्॥

अथवा

साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः,

साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।

तृणं न खादन् अपि जीवमानः

तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥

भाग—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

$5 \times 10 = 50$

(क) गीतिकाव्य के स्वरूप व लक्षण पर लेख लिखिए।

(ख) 'रघुवंशम्' महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सार लिखिए।

(ग) 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य के आधार पर पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए।

(घ) 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य के आधार पर गुप्तचर की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ङ) 'नीतिशतकम्' के अनुसार मूर्खों के लक्षण लिखिए।

(च) श्री हर्ष द्वारा विरचित 'नैषधीयचरितम्' की विषय-वस्तु लिखिए।

भाग—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$5 \times 2 = 10$

(क) रामायण और उसकी विषयवस्तु

(ख) कालिदास के महाकाव्य

(ग) 'गीतगोविन्दम्' की विषयवस्तु

× × × × ×